भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2661
बुधवार, 07 अगस्त, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पंजाब में हीटवेव के कारण मृत्यु

†2661. श्री चरनजीत सिंह चन्नी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास पिछले दो वर्षों में पंजाब में हीटवेव के कारण हुई मौतों के बारे में कोई आंकड़े है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार के पास जालंधर में हीटवेव के कारण होने वाली मौतों के बारे में कोई विशिष्ट आंकड़े और ब्यौरा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने हीटवेव के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को कोई मुआवजा दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए नवीनतम विवरण अनुलग्नक-1 में दिए गए हैं।

(ख) जलवायु परिवर्तन के कारण, वैश्विक स्तर पर वार्षिक तापमान बढ़ रहा है और इसका प्रभाव भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लू की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के रूप में दिख रहा है। सामान्य तौर पर, पंजाब राज्य समेत उत्तरी भारत के मैदानी क्षेत्रों एवं मध्य भारत के हीट कोर जोन में लू की आवृत्ति की प्रवृत्ति में वृद्धि हो रही है। लू की बढ़ती आवृत्ति तथा तीव्रता, वैश्विक जलवायु परिवर्तन के व्यापक मुद्दे के स्पष्ट संकेतक हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश के विभिन्न अनुसंधान केंद्रों के साथ समन्वय करके निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिससे लू समेत प्रतिकूल मौसमी घटनाओं के दौरान जान-माल की हानि को कम करने में सहायता मिली है। इनमें शामिल हैं:

i. तापमान तथा लू संबंधी स्थितियों का ऋतुनिष्ठ तथा मासिक आउटलुक, और उसके पश्चात विस्तारित अवधि पूर्वानुमान जारी करना। पूर्व चेतावनी तथा पूर्वानुमान जानकारी को सही समय पर आम जनता तक प्रसारित करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया का भी प्रयोग किया जाता है।

ii. भारत में जिलावार लू सुभेद्यशीलता एटलस, जिससे राज्य सरकार के प्राधिकरणों एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियां को योजना बनाने में सहायता मिल सके।

iii. भारत में गर्म मौसम से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का विश्लेषण मानचित्र, जिसमें दैनिक तापमान, हवा तथा आर्द्रता की स्थितियां शामिल हैं।

iv. राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा राज्य सरकारों के साथ सहयोग में लू की स्थितियों की अधिक संभावना वाले 23 राज्यों में संयुक्त रूप से हीट एक्शन प्लान (HAPs) क्रियान्वित किए गए।

ग्रीष्म ऋतु आरंभ होने से काफी पहले ही राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की लू की तैयारी संबंधी विभिन्न बैठकें आयोजित की जाती हैं, तथा इस ऋतु के दौरान समय-समय पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं।

(ग) राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के पास इसका समर्थन करने के लिए राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) और राज्य आपदा शमन निधि (SDMF) के माध्यम से अपने संसाधन उपलब्ध हैं। यदि वित्तीय सहायता के लिए राज्यों से कोई अनुरोध आता है, तो केंद्र सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (NDRF) और राष्ट्रीय आपदा शमन निधि (NDMF) के लिए प्रासंगिक दिशानिर्देशों के अनुसार इस पर विचार करती है।

अनुलग्नक -1

वर्ष 2013-2022 के दौरान लू / सन स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों का विवरण:

वर्ष	**पंजाब**
2013	144
2014	123
2015	99
2016	145
2017	60
2018	38
2019	90
2020	110
2021	91
2022	130

स्रोत: राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), गृह मंत्रालय (MHA)

****